एम. ए. प्रथम वर्ष

प्रथम अयन

कोर्स न.	प्रथम अयन	
1	मध्ययुगीन काव्य	
2	कथा साहित्य	
3	भारतीय काव्यशास्त्र	
4	वैकल्पिक	
	क)	हिंदी पत्रकारिता
	ख)	नाटककार मोहन राकेश

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : 1 मध्ययुगीन काव्य

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. हिंदी की मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियों का परिचय देना।
2. मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की रचनाओं का परिचय कराना।
3. तत्कालीन काव्यभाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।
4. पाठ्यकृतियों के आधार पर काव्य मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना।
5. सर्जनात्मक कौशल विकसित करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई– I	पूर्वमध्यकालीन काव्य (कबीर/जायसी) कबीर – सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी – (पदसंख्या 160 से 170) कबीर की काव्यकला, भाषा, समन्वय, मानवता, लोकमंगल जायसी – पद्मावत नागमती वियोग खण्ड (आरंभ के 10 पद) जायसी की काव्यकला, भाषा, समन्वय, विरह वर्णन, लोकतत्व
इकाई– II	पूर्वमध्यकालीन काव्य (सूरदास/तुलसीदास) सूरदास – भ्रमरगीत सार – सं. रामचंद्र शुक्ल (पद – 21 से 30) सूरदास की काव्यकला, भाषा, समन्वय, लोकमंगल, विरह वर्णन तुलसीदास – रामचरितमानस – उत्तरकाण्ड (आरंभ के 25 दोहे) तुलसीदास की काव्यकला, भाषा, लोकमंगल, समन्वय, भक्ति, आदर्श कल्पना।
इकाई – III	पूर्वमध्यकालीन काव्य (मीरा/रहीम) मीरा – सं. विश्वनाथ त्रिपाठी – (आरंभ के 10 पद) मीरा की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व, प्रगतिशीलता, विरह वर्णन, रहीम की काव्यकला, भाषा, नीतितत्व, समन्वय, प्रेमतत्व रहीम (दोहे : 01 से 25)
इकाई– IV	उत्तरमध्यकालीन काव्य (बिहारी/घनानंद) बिहारी – बिहारी सतसई – सं. जगन्नाथदास रत्नाकर (दोहा संख्या 01 से 25) बिहारी की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व, बहुज्ञता घनानंद – कवित्त सं. विश्वनाथ मिश्र, (कवित्त संख्या 01 से 15) घनानंद की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा, जिसमें चारों इकाइयों से एक–एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन– 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

प्रथम अयन

पाठ्यचर्या 2 कथा साहित्य

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. उपन्यास विधा से अवगत कराना।
2. कहानी विधा से अवगत कराना।
3. पाठ्य रचनाओं में अभिव्यक्त मूल्यों का संप्रेषण करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. सर्जनात्मक कौशल का विकास करना।

पाठ्यविषय	
इकाई–I	प्रेमचंदोत्तर के परवर्ती उपन्यास का विकासक्रम (2000 तक) बीसवी सदी की हिंदी कहानी का विकासक्रम (2000 तक)
इकाई –II	उपन्यास साहित्य : आपका बंटी – मन्नू भंडारी तात्विक विवेचन, संवेदना एव शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –III	कहानी साहित्य : उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी आकशदीप – जयशकर प्रसाद गैंग्रीन – अज्ञेय दुनिया का अनमोल रत्न – प्रेमचंद सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती संवेदना एव शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –IV	कहानी साहित्य : साजिश – सूरपाल चौहान जगल गाने लगा – अकुश्री पक्षी और दीमक – ग. मा मुक्तिबोध दूसरा ताजमहल – नासिरा शर्मा दुख – यशपाल संवेदना एव शिल्पगत अध्ययन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा जिसमे II, III, IV इकाइयो से एक–एक ससदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अक विभाजन – पूर्णांक 100

आतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन :
पाठ्यचर्या : 3 भारतीय काव्यशास्त्र
4 : क्रमांक

उद्देश्य :
1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों से अवगत कराना।
3. रचना वैशिष्ट्य और मूल्यबोध को परखने की क्षमता को विकसित करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पति के सिद्धांत (भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनव गुप्त) साधारणीकरण की अवधारणा।
इकाई –II	अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, स्वरूप, अलंकार के भेद। काव्य में अलंकार का महत्व। रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति के भेद, काव्य–गुण, रीति एवं शैली।
इकाई –III	वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति भेद। ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत के प्रमुख भेद, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।
इकाई –IV	औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप, औचित्य के भेद, काव्य में औचित्य की अनिवार्यता।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)
अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा– 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)
सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न	: 4 x 10 = 40
टिप्पणी	: 2 x 10 = 10

आर्की

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : 4 (ख) नाटककार मोहन राकेश

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना।
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास का परिचय देना।
4. मोहन राकेश के नाटकों के द्वारा नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना।
5. नाट्याभिनय कौशल को विकसित करना।

पाठ्यविषय	
इकाई–I	नाटक और रंगमंच, स्वरूप एवं संरचना हिंदी रंगमंच का विकासक्रम रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ नाटक की पाश्चात्य परंपरा पारसी थिएटर, रंगभाषा
इकाई–II	निर्धारित नाटक आषाढ़ का एक दिन कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।
इकाई –III	निर्धारित नाटक लहरों के राजहंस कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।
इकाई –IV	निर्धारित नाटक आधे अधूरे कथ्यगत अध्ययन रंगमंचीय अध्यन तात्विक मूल्यांकन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। निर्धारित पाठ्यपुस्तकों पर ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न पूछा जाएगा।) अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10

एम. ए. प्रथम वर्ष

द्वितीय अयन

कोर्स न.	द्वितीय अयन	
5	कथेतर गद्य साहित्य	
6	शोध प्रविधि	
7	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
8	वैकल्पिक	
	ग)	शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र
	घ)	हिंदी उपन्यास साहित्य

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : 5 कथेतर गद्य साहित्य

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. व्यंग्य, निबंध, रेखाचित्र और संस्मरण विधा से अवगत करना।
2. पाठ्य विधाओं का भाषिक अध्ययन करवाना।
3. मौलिक लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	आत्मकथा साहित्य : मुर्दहिया – तुलसीराम आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु/ भाषागत अध्ययन।
इकाई –II	निबंध साहित्य : कविता क्या है ? – रामचंद्र शुक्ल लेखक और जनता – डॉ. रामविलास शर्मा मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र संस्कृति और सौंदर्य – नामवर सिंह कुटज – हजारीप्रसाद द्विवेदी पानी है अनमोल – श्रीराम परिहार विशेषताएँ, आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।
इकाई –III	रेखाचित्र साहित्य : माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी स्वरूपगत अध्ययन आलोचनात्मक अध्ययन अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।
इकाई –IV	व्यंग्य साहित्य : भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई स्वरूपगत अध्ययन, आलोचना अध्ययन, अंतर्वस्तु, भाषागत अध्ययन संस्मरण साहित्य : याद हो की न हो – काशीनाथ सिंह। स्वरूपगत अध्ययन, आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा; जिसमें चारों इकाइयों से एक–एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

टिप्पणी : 2 x 05 = 10

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : 6 शोध प्रविधि

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध प्रविधि से अवगत कराना।
2. शोध दृष्टि का विकास करना।
3. नये शोध–प्रावाहों से परिचय कराना।
4. शोध प्रक्रिया एव शोधप्रबंध लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यविषय	
इकाई – I	शोध का स्वरूप : शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य शोध की विभिन्न परिभाषाएँ और उनका विश्लेषण शोध के उद्देश्य, शोध की विवेचन पद्धति वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता।
इकाई – II	शोध के मूलतत्व : शोध और आलोचना शोध के भेद : साहित्यिक,साहित्येत्तर साहित्यिक शोध के भेद : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय।
इकाई – III	शोध प्रक्रिया : विषय चयन,सामग्री संकलन के स्रोत मूल, सहायक, हस्तलेख संकलन एवं उपयोगिता, तर्क पद्धति : निगमनात्मक पद्धति (Deductive Method) और आगमनात्मक पद्धति (Inductive Method) । विवेचन, निष्कर्ष, स्थापना।
इकाई – IV	शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली : शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ, संदर्भ सूची, MLAपद्धति (Modern language Association), सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार, टंकण, यूनिकोड परिचय।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10).

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

टिप्पणी : 2 x 05 = 10

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : 7 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. पाश्चात्य चिंतकों के चिंतन, सिद्धांत और प्रमुख आंदोलनों से अवगत करना।
3. छात्रों को सृजन, आस्वादन एवं आलोचना दृष्टि देना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत : त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत
इकाई –II	वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत। कॉलरिज का कल्पना और फैंटसी सिद्धांत लोंजाइनस का योगदान : उदात्त के अंतरंग और बहिरंग तत्व लोंजाइनस का उदात्त सिद्धांत : काव्य में उदात्त का महत्व।
इकाई –III	टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
इकाई –IV	आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत संप्रेषण सिद्धांत, काव्य–भाषा सिद्धांत, व्यावहारिक आलोचना।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

टिप्पणी : 2 x 05 = 10

एम. ए. हिंदी साहित्य

द्वितीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : 8 (घ) हिंदी उपन्यास साहित्य

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम एवं प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
2. उपन्यासों के आस्वादन, अध्ययन की क्षमता विकसित करना।
3. पाठ्य रचनाओं में प्रस्तुत साहित्यिक मूल्यों का संप्रेषण करना।
4. मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	तमस – भीष्म साहनी संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –II	छप्पर – जयप्रकाश कर्दम संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –III	गिलीगडू – चित्रामुद्गल संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –IV	ग्लोबल गांव के देवता – रनेंद्र संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा, जिसमें चारों इकाइयों से एक–एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिकमूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10